गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पन्न करने के लिये ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर. ई. सी.) की योजना

4002. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के ग्रामों में विद्युत के उपभोग में वृद्धि करने के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन) द्वारा गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पन्न करने के लिए एक योजना तैयार की जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो योजना का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या योजना के कार्यान्वयन पर व्यय होने वाली धनराशि का भी प्राक्कलन तयार किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो व्यय-राशि क्या है और इसे किन-किन स्रोतों से उपलब्ध कराया जाएगा ?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (ग्रामीण विकास विभाग) : (श्री उत्तमभाई एच. पटेल) : (क) गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों की मार्फत विद्युत सृजन हेतु ग्रामीण विद्युतीकरण निगम द्वारा कोई ठोस योजना तैयार नहीं की गई है। तथापि, निगम अलग-अलग मामलों के आधार पर लघु विद्युत सृजन योजनाएं वित्त पोषित कर रहा है।

(ख) से (घ) उपरोक्त भाग (क) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

Formulation of revised science & Technology policy

4993. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:
SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have taken note of the call given by the Indian Science Congress in Calcutta in January, 1995 urging Government to formulate a revised Science & Technology policy, if so, in what manner Government propose to proceed with the matter; and

(b) what concrete steps are being taken by Government to promote the intention between Science and Technolgy and Industry?

THE MINISTER OF STATE IN PRIME MINISTER'S OFFICE AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF ATOMIC ENERGY, SPACE AND MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) The Government have taken note of the call given by the Indian Science Congress to formulate a revised S&T Policy. However, the formal communication from the Indian Science Congress Association is still awaited.

(b) The Government have taken a number of steps to promote the interaction between Science & Technology and industry. Some of such initiatives are:—

(i) Activities under the National S&T Enterpreneursnip Development Board, Department of Science & Technology.

(ii) Board of Industry—Institute Interaction constituted by the All India Council of Technical